http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 143

प्रयागराज शनिवार 08 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

बुलडोजर कार्रवाई मामले में अदालत की अवमानना का आरोप

● सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय जाने को कहा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर 2024 को दिए अपने आदेश में बिना पूर्व नोटिस और सुनवाई का मौका दिए बगैर बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया था। याचिका में आरोप लगाया गया है कि उत्तर प्रदेश प्राधिकरण द्वारा अदालत के आदेश की अवमानना की गई। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को संभल के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता को संबंधित उच्च न्यायालय में जाने को कहा। दरअसल याचिका में दावा किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल दिए अपने आदेश में बिना पूर्व नोटिस और सुनवाई का मौका दिए बगैर बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया था। याचिका में आरोप लगाया गया है कि संभल में प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा अदालत के आदेश की अवमानना की गई। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय जाने को कहा याचिकाकर्ता ने कहा है कि 13 नवंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश में बुलडोजर से तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। अदालत के आदेश के बावजूद 10–11 जनवरी 2025 को संभल स्थित उसकी संपत्ति में बिना किसी पूर्व सूचना और उसका पक्ष सुने बगैर तोड़फोड़ की गई। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह अदालत के बीते साल नवंबर में दिए गए आदेश की अवमानना है। याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय जाने को कहा। अदालत ने कहा कि 13 नवंबर, 2024 के अपने फैसले में उसने स्वतंत्रता दी थी कि यदि कोई उल्लंघन हुआ है, तो क्षेत्राधिकार वाला उच्च न्यायालय शिकायत पर विचार करने का हकदार होगा।

यूरिया की देश में कोई किल्लत नहीं

कुछ लोग मुनाफाखोरी के लिए परेशानी पैदा कर रहे हैंः नड्डा

● देश में 14 करोड़ से ज्यादा महिलाओं की स्तन कैंसर जांच हुई, लोकसभा में बोले स्वास्थ्य मंत्री नड्डा

● आयुष्मान योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजनाः नड्डा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एक सवाल की जवाब में लोकसभा में कहा की आयुष्मान योजना दुनिया की स्वास्थ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी योजना है। जो लोग पहले पैसे के अभाव में अस्पताल में इलाज करवाने नहीं जा सकते थे उन्हें अब इस योजना के तहत अस्पतालों में इलाज मिल रहा है। आयुष्मान भारत के तहत देश की 40: आबादी को कवर किया गया है। यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है और 2018 तक इसमें 35 लाख कार्यकर्ता जुड़े हुए थे। देश में कुल 61 करोड़ से ज्यादा लोगों को आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य कर सेवा दी गई है। अब तक अस्पताल 8.6 करोड़ लोगों को इस योजना के तहत लाभ दिया जा चुका है। देश में बड़े स्तर पर लोगों की जीवन को इस योजना के तहत बचाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 30000 अस्पताल के माध्यम से बाईपास सर्जरी जैसी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यदि कोई समस्या इस पर आती है तो राज्य सरकारों के साथ मिलकर इसकी समाधान के लिए कदम उठाए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत केंद्र सरकार सभी सुविधा दे रही है और समय पर पैसे का भुगतान भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो गरीब अस्पताल जाने से कतराते थे आयुष्मान भारत के तहत उन्हें सारी सुविधाएं अस्पतालों में उपलब्ध कराई जा रही है। गैर संचारी रोगों की जांच के लिए शुरू किया गया एनसीडी पोर्टल सरकार ने साल 2018 में गैर संचारी रोगों (एनसीडी) की जांच और प्रबंधन और मरीजोंकी निरंतर देखभाल सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल की शुरुआत की थी। एनसीडी बीमारियों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुख कैंसर, स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर जैसी बीमारियां शामिल हैं। इस पोर्टल का उद्देश्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन, शीघ्र निदान, प्रबंधन और उचित स्तर की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए रेफरल पर ध्यान केंद्रित करना था। इस कार्यक्रम के तहत, देश भर में 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 233 कार्डियक केयर यूनिट (सीसीयू), 372 जिला डे केयर सेंटर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रोंपर 6410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

सरकार की गुलामी कर रहा निर्वाचन आयोग सवालों के जवाब नहीं देगाः राउत

मुम्बई,(एजेंसी)। शिवसेना (उबाठा) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र की मतदाता सूची में कथित विसंगतियों का उल्लेख करते हुए शुक्रवार को दावा किया कि निर्वाचन आयोग इस बारे में विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं देगा क्योंकि वह सरकार की गुलामी कर रहा है। राउत ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र) की सांसद सुप्रिया सुले के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महाराष्ट्र और दिल्ली के चुनावों के समय बार–बार शिकायत की गई, लेकिन आयोग ने कुछ नहीं किया राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की मदाता सूची में 'विसंगतियां' हैं और बार–बार आग्रह के बावजूद निर्वाचन आयोग की ओर से प्रदेश के मतदाताओं के डेटा उपलब्ध नहीं कराने से लगता है कि कुछ न कुछ गलत है। राहुल गांधी ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या राज्य की कुल वयस्क आबादी से ज्यादा है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में पांच महीनों में 39 लाख मतदाता जुड़े, जबकि पिछले पांच वर्षों में 32 लाख मतदाता जुड़े थे। राउत ने कहा, '' चुनाव आयोग को राहुल गांधी जी के सवालों का जवाब देना चाहिए, लेकिन चुनाव आयोग इसका जवाब नहीं देगा क्योंकि वह सरकार की गुलामी कर रहा है।'' राज्यसभा सदस्य ने कटाक्ष करते हुए कहा, ''ये जो 39 लाख फर्जी वोट महाराष्ट्र में पड़े हैं, अब ये मतदाता बिहार जाएंगे। ये 'फ्लोटिंग' वोट हैं और जहां भी चुनाव होते हैं, वे घूमते रहते हैं।

'महाराष्ट्र चुनाव के परिणामों में हेराफेरी की गई'

● राहुल का आरोप, ईसीआई बोला– लिखित में जवाब देंगे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उन्होंने कहा, श्महाराष्ट्र में विधानसभा 2019 और लोकसभा 2024 के बीच पांच साल में 32 लाख नए मतदाता जोड़े गए। लोकसभा 2024 और विधानसभा 2024 के बीच 5 महीने में 39 लाख नए मतदाता जोड़े गए। सवाल ये है कि 5 महीने के अंदर पिछले 5 साल से ज्यादा मतदाता कैसे जोड़े गए?श कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले और शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) सांसद संजय राउत के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के डिप्टी स्पीकर हॉल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राहुल ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि चुनाव परिणामों में हेराफेरी की गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के तुरंत बाद ही चुनाव आयोग की ओर से भी प्रतिक्रिया जारी कर दी गई। उन्होंने ट्वीट कर बताया, श्चुनाव आयोग राजनीतिक दलों को प्राथमिकता वाले हितधारकों के रूप में मानता है। बेशक मतदाता सबसे अहम होता है और राजनीतिक दलों से आने वाले विचारों, सुझावों और सवालों को भी बहुत महत्व दिया जाता है। आयोग पूरे देश में समान रूप से अपनाए गए पूर्ण तथ्यात्मक और प्रक्रियात्मक मैट्रिक्स के साथ लिखित रूप में जवाब देगा। राहुल ने लगाए गंभीर आरोप राहुल गांधी ने कहा कि हम इस टेबल पर महाराष्ट्र में पिछला चुनाव लड़ने वाले पूरे विपक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हम चुनाव के बारे में कुछ जानकारी लाने जा रहे हैं। हमने विवरण का अध्ययन किया है– मतदाताओं और मतदान सूची का। हमारी टीमें काम कर रही हैं। हमें कई अनियमितताएं मिली हैं। राहुल ने कहा, श्हम चुनाव आयोग से कह रहे हैं कि हमें गड़बड़ी मिल रही है। हमें महाराष्ट्र के मतदाताओं के नाम और पते वाली मतदाता सूची चाहिए। हमें लोकसभा चुनाव की मतदाता सूची चाहिए। हमें विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची चाहिए। हम यह समझना चाहते हैं कि ये नए नाम कौन–कौन से हैं। बहुत सारे मतदाता हैं, जिनके नाम हटा दिए गए हैं। एक बूथ के मतदाता दूसरे बूथ पर स्थानांतरित कर दिए गए हैं। इनमें से ज्यादातर मतदाता दलित समुदायों, आदिवासी समुदायों और अल्पसंख्यक समुदायों से आते हैं। हमने चुनाव आयोग से बार–बार अनुरोध किया है। उन्होंने हमें कोई जवाब नहीं दिया है। विपक्ष के नेता ने संसद भवन में यह बात कही है। चुनाव आयोग ने कोई जवाब नहीं दिया है। अब उनके जवाब न देने का एकमात्र कारण यह है कि उन्होंने जो किया है, उसमें कुछ गड़बड़ है। मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं। मैं यहां स्पष्ट रूप से डेटा प्रस्तुत कर रहा हूं।श श्हिमाचल प्रदेश के कुल मतदाताओं के बराबर वोटर जोड़े गए।

हम अमेरिका को इतना बड़ा बाजार दे रहे हैं, फिर भी ऐसा व्यवहार?: अखिलेश यादव

लखनऊ,(एजेंसी)। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि हम अमेरिका को इतना बड़ा बाजार दे रहे हैं, फिर भी भारतीयों के साथ ऐसा व्यवहार किया गया? यूपी में अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर हुए मतदान का परिणाम 8 फरवरी को आना है। इससे पहले शुक्रवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने अमेरिका से भारतीयों को वापस भेजने को लेकर सरकार का घेरा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा कहती थी कि हम दुनिया में एक स्तर पर पहुंच गए हैं। हम अब विश्वगुरु बन रहे हैं। हमारी अर्थव्यवस्था तीसरे नंबर पर पहुंचने वाली है। लेकिन, भारतीय नागरिकों को कैसे लाया गया? दूसरे देश के राष्ट्रपति ने कहा कि वे सैन्य विमान से भेजे गए लोगों को स्वीकार नहीं करेंगे। अमेरिका को यह स्वीकार करना होगा, क्या भारत इतना कमजोर है? पंजाब के लोगों ने 50 लाख खर्च किए कहा कि हम अमेरिका को इतना बड़ा बाजार दे रहे हैं, फिर भी ऐसा व्यवहार? यहीं पर पंजाब के लोगों ने 50 लाख रुपये खर्च किए। गुजरात के लोगों ने वहां जाने के लिए एक करोड़ रुपये खर्च किए। सरकार को उनका पैसा वापस करना चाहिए। अगर सरकार ऐसा नहीं करती है, तो आपकी अर्थव्यवस्था जहां पहुंच रही है, उसका कोई मतलब नहीं है।

प्रत्याशियों को खरीदने के लिए फोन आ रहे

● केजरीवाल ने बुलाई सभी 70 उम्मीदवारों की बैठक

नई दिल्ली,(एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल ने दावा किया था कि भाजपा की तरफ से आम आदमी पार्टी के 16 उम्मीदवारों को मंत्री पद और पार्टी बदलने पर 15–15 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव मिला है। जिसके बाद आज आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने सभी 70 प्रत्याशियों की बैठक बुलाई है। गरमाती सियासत के बीच पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि भाजपा उनके उम्मीदवारों पर डोरे डाल रही है। अब तक उनके 16 उम्मीदवारों को भाजपा की तरफ से फोन किया जा चुका है। उन्हें लालच देकर भाजपा में शामिल करवाने की कोशिश की जा रही है। उम्मीदवारों से कहा जा रहा है कि आप छोड़ कर भाजपा में आ जाओ। मंत्री बना देंगे और 15–15 करोड़ देंगे। सोशल मीडिया पर केजरीवाल ने लिखा कि कुछ एजेंसी दिखा रही हैं कि भाजपा की 55 से ज्यादा सीटें आ रही हैं। अगर ज्यादा सीटें आ रहीं हैं तो आप उम्मीदवारों को फोन करने की क्या जरूरत है। सभी सर्वे फर्जी हैं। इसके माध्यम से दिल्ली में माहौल बनाकर आप के उम्मीदवारों को साधने की कोशिश की जा रही है। ।।च के सभी 70 प्रत्याशियों की बैठक दिल्ली विधानसभा चुनाव की मतगणना कल होनी है। इससे पहले आज आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने सभी 70 प्रत्याशियों की बैठक बुलाई है। बैठक की अध्यक्षता अरविंद केजरीवाल कर रहे हैं। श16 उम्मीदवारों को आए फोन, 15–15 करोड़ ऑफरश अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा, श्कुछ एजेंसीज दिखा रही हैं कि गाली–गलौज पार्टी की 55 से ज्यादा सीट आ रही हैं। पिछले दो घंटे में हमारे 16 उम्मीदवारों के पास फोन आ गए हैं कि आम आदमी पार्टी छोड़ के उनकी पार्टी में आ जाओ, मंत्री बना देंगे और हरेक को 15–15 करोड़ देंगे। अगर इनकी पार्टी की 55 से ज्यादा सीटें आ रहीं हैं तो हमारे उम्मीदवारों को फोन करने की क्या जरूरत है? जाहिर तौर पे ये फर्जी सर्वे करवाये ही इसलिए गए हैं ताकि ये माहौल बनाकर कुछ उम्मीदवारों को तोड़ा जा सके।

पर गाली गलौज वालों, हमारा एक भी आदमी नहीं टूटेगा।श ।।च उम्मीदवार मुकेश अलावत बोले– मेरे पास आया फोन वहीं, सुल्तानपुर माजरा से आप उम्मीदवार और दिल्ली के मंत्री मुकेश अहलावत ने दावा किया।

उन्हें भी इस तरह का प्रस्ताव दिया गया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेसफॉर्म एक्स पर लिखा, श्मैं मर सकता हूं, मेरे टुकड़े हो सकते हैं, लेकिन मैं अरविंद केजरीवाल को कभी नहीं छोडूंगा।

बच्चे को दुलारा...इस बात पर हुए दुखी, बोले–राष्ट्र सुरक्षा की दृष्टि से नहीं उचित

यमकेश्वर (देहरादून),(एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए उत्तराखंड पहुंचे हैं। वह तीन दिवसीय दौरे पर हैं। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन दिवसीय दौरे पर गुरुवार को उत्तराखंड पहुंचे। उन्होंने महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान वह यहां एक बच्चों को दुलारते नजर आए। उन्होंने बच्चे को गोद में लिया। और कुछ देर उसके साथ हंसते–खेलते रहे। सीएम योगी तीन दिवसीय दौरे पर हैं। वे अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने आए हैं, लेकिन इसके साथ ही वह यहां कार्यक्रमों में भी शामिल हो रहे हैं। महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने राज्य से हो रहे पलायन और बंजर खेतों पर दुख जताया। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि खेतों को बंजर छोड़ने के बजाय इस पर कुछ न कुछ खेती किसनी करें। खेत आबाद होंगे तो पलायन भी रुकेगा। पलायन कीवजह से गांव के गांव खाली हो रहे हैं। उत्तराखंड सीमांत प्रदेश है। यह राष्ट्र सुरक्षा की दृष्टि से भी उचित नहीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंड के गांवों से पलायन रोकने के लिए कृषि और पशुपालन पर जोर दिया। कहा कि स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और कृषि व पशुपालन को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता प्राप्त की जा सकती है, जिससे पलायन को रोका जा सकेगा। उन्होंने प्रदेश को नशामुक्त बनाने और इसे देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में कार्य करने का आह्वान लोगों से किया। मुख्यमंत्री योगी बृहस्पतिवार को महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय विथ्याणी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वह यमकेश्वर ब्लॉक अंतर्गत अपने पैतृक गांव पंचूर में तीन दिवसीय भ्रमण पर पहुंचे हैं। पहले दिन उन्होंने महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय विथ्याणी में ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया।

रेपो रेट में पांच साल बाद की गई कटौती

● आपके होम और कार लोन की ईएमआई पर इसका क्या असर

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) 7 फरवरी 2025 की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद रिजर्व बैंक के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मॉनेटरी पॉलिसी की घोषणा की। बाजार के विशेषज्ञों के अनुमानों के अनुरुप इस बार रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती कर इसे 6. 25 प्रतिशत कर दिया गया है। एमपीसी के इस फैसले का आपकी ईएमआई पर क्या असर पड़ेगा, आइए जानें। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने नीतिगत ब्याज दर या रेपो रेट में पांच साल बाद कटौती का फैसला लिया है। एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक के बाद रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती की गई है। केंद्रीय बैंक के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने रेपो रेट को 6.5: से घटाकर 6.25: करने का एलान किया। पिछली बार रेपो रेट में कब हुई थी कटौती, इस बार कटौती से आपने होम और कार लोन की ईएमआई पर क्या असर पड़ेगा, आइए विस्तार से जानते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) 7 फरवरी 2025 की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद रिजर्व बैंक के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मॉनेटरी पॉलिसी की घोषणा की। बाजार के विशेषज्ञों के अनुमानों के अनुरुप इस बार रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती कर 6.25 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे पहले, फरवरी 2023 से रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया था। इससे पहले 2020 में कोविड महामारी के दौरान ब्याज दरों में कटौती की गई थी, लेकिन इसके बाद धीरे धीरे कर ब्याज दरों को 6.5 प्रतिशत बढ़ा दिया गया। रेपो रेट में कटौती की घोषणा के बाद आम आदमी को होम लोन, वाहन, पर्सनल लोन की ईएमआई में राहत मिल सकती है। सस्ते कर्ज से लोगों पर से ईएमआई का बोझ कम हो सकता है। रेपो रेट में हुई कटौती को आम लोगों को कैसे मिलेगी राहत? टैक्स विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ सीए संजीव महेश्वरी के अनुसार एक लंबे समय के बाद ब्याज दरों में कटौती की गई है। जिससे आम आदमी को होम लोन, पर्सनल लोन की ईएमआई में राहत मिल सकती है। ब्याज दरों में कटौती वजह से सस्ते कर्ज से लोगों पर से ईएमआई का बोझ कम होगा। लेकिन इस कटौती के बाद बैंक अपनी लेडिंग रेट पर किस तरह की कटौती करते हैं यह उन पर निर्भर करेगा। प्रत्येक बैंक पूरी कटौती नहीं देती है, बैंक अपनी वित्तीय स्थिति को देखते हुए अपनी ब्याद दरों को कम करती है, इसे भी ध्यान में रखना होगा। हालांकि यह कटौती खपत को बढ़ावा देगी। वे कहते हैं सरकार इस समय अपने खर्चों यानी अपना पूंजीगत व्यय कम करके आम लोगों के हाथों में पैसा दे रही है।

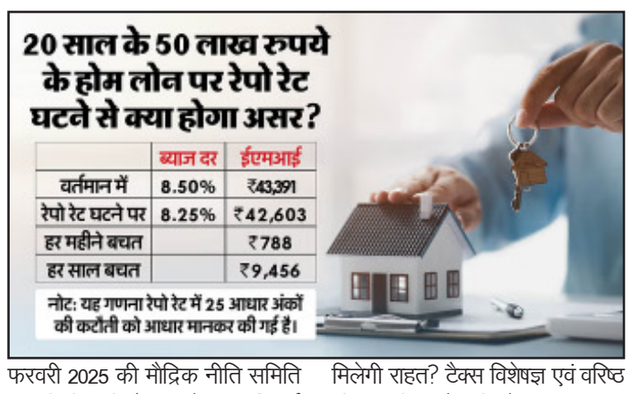

सम्पादकीय

निर्वासनः काम न आई ट्रम्प–मोदी मित्रता

जिस डोनाल्ड ट्रम्प को उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माई फ्रेंड कहकर अपनी बधाइयां दी थीं, उन्हीं ट्रम्प ने मोदी को शरिटर्न गिफ्टश के रूप में 104 भारतीयों को अवैध प्रवासी कहकर एक सैन्य जहाज में भरकर लौटा दिया है– वह भी अपराधियों की तरह हाथ–पांवों में हथकड़ी–बेड़ियां डालकर तथा उनकी कमर को जंजीरों से जकड़ कर। सी–17 ग्लोबमास्टर नामक सेना का जो हवाई जहाज बुधवार को अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा, उसमें से उतरने वालों के मन में गहन अपमान का दर्द तो साफ दिख रहा था, पूरा देश इसे लेकर अभूतपूर्व बेइज्जती महसूस कर रहा है जो स्वतंत्र भारत के इतिहास में उसकी कभी भी नहीं हुई थी। एक ओर तो अपने आप को विश्व गुरु होने का दावा करने वाले मोदी की यह बड़ी कूटनीतिक हार है, तो वहीं दूसरी ओर इस घटना ने यह भी साफ कर दिया है कि भारतीयों का एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिनमें न राष्ट्रीय गौरव बचा है और न ही मानवाधिकार की चेतना। यह वह वर्ग है जो भारतीय जनता पार्टी का समर्थक तथा हमेशा की तरह मोदी व सरकार के साथ खड़ा है। जो भी हो, भारत सरकार अपने नागरिकों के साथ उनके जीवन की सबसे दुखद व शर्मसार करने वाली घड़ी में साथ खड़े होने में नाकाम रही है। यह पहली खेप है। अमेरिका ने लगभग 18 हजार अवैध प्रवासियों की शिनाख्त कर ली है। भारत सरकार की सहमति से उन्हें भेजा गया है, जो और भी शर्मनाक है। यानी अभी इसी तरीके से और भी कई जहाज देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर उतरेंगे। इस जहाज को अमृतसर इस कारण से उतारा गया था क्योंकि इस खेप में ज्यादातर वे लोग हैं जो पंजाब और गुजरात से हैं। हालांकि जिन ऐसे अवैध ा प्रवासियों को निकाला जाना है उनमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली आदि के ज्यादा बताये जाते हैं। ट्रेवल एजेंटों को भारी–भरकम राशि देकर बगैर वैध दस्तावेजों के ये लोग अमेरिका में रह रहे थे। कई लोग कनाडा होकर अमेरिकी सीमा को पार करते हुए बेहतर जीवन–यापन की तलाश में उस विकसित देश में पहुंचे थे। ऐसा नहीं कि केवल भारत के ही लोग इस पद्धति से वहां पहुंचे हैं, जिसे श्डंकीश तरीका कहा जाता है। अनेक लातिन अमेरिकी, अफ्रीकी तथा एशियाई मुल्कों के लोग अमेरिका जाते हैं। चूंकि इन देशों में आजीविका के पर्याप्त अवसर नहीं हैं तथा समानता और रोजगार के लिहाज से अमेरिका दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करता है, वहां एक बड़ी आबादी ऐसे लोगों की है जो इसी तरह से वहां पहुंची हुई है। अवसर मिलने पर वे अपने कागजात को ठीक कराते हैं और विभिन्न उपायों से वहां स्थायी व कानूनी रूप से रहने की मंजूरी पा लेते हैं। 2022 में प्रसिद्ध सिने निर्देशक राजकुमार हिरानी ने अवैध आव्रजन के कथानक पर आधारित इसी नाम से एक फिल्म बनाई थी– डंकी। हालांकि उसमें गैरकानूनी तरीके से लंदन जाने की कहानी है पर इस तरीके को पूरे पश्चिम जगत में अपमानजनक व उपहासात्मक तरीके से डंकी कहा जाता है। 2024 में जब अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव हुआ था तो ट्रम्प ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया था। उनकी अमेरिका फर्स्ट की नीति के तहत ट्रम्प ने ऐलान किया था कि वे अगर जीते तो सभी अवैध प्रवासी खदेड़ दिये जायेंगे। उन्होंने इसके लिये अपने देश को यह कहकर तैयार किया कि अवैध प्रवासियों के कारण अमेरिकियों के लिये अवसर और संसाधन पूरे नहीं पड़ते हैं। इस मुद्दे पर उन्हें समर्थन भी मिला था। इसके तहत उन्होंने अपना वादा पूरा किया। भारत के अलावा ग्वाटेमाला, होंडुरास, पेरू तथा इक्वाडोर के प्रवासियों को अमेरिका डिपोर्ट कर चुका है। ये बहुत छोटे देश हैं लेकिन कोलंबिया और मैक्सिको ने न सिर्फ रीढ़ की हड्डी दिखलाई बल्कि अपने नागरिकों के सम्मान की रक्षा भी की। उन्होंने अमेरिकी सैन्य विमानों को अपने हवाई अड्डों पर उतरने की अनुमति नहीं दी। बाद में मैक्सिको ने अमेरिका की सीमा से अपने नागरिकों को वापस लिया तथा कोलंबिया ने अपने जहाज भेजकर उनकी सम्मानजनक स्वदेश वापसी कराई। भारत के लिये यह पूरा वाकया इसलिये दुखद है क्योंकि सरकार ने अमेरिकी प्रशासन के साथ मिलकर ऐसा कोई उपाय ढूंढने की कोशिश ही नहीं की कि अवैध प्रवासी ही सही, लेकिन उनकी सम्मानजनक वापसी हो। भारत सरकार के पास पर्याप्त समय था। भारत ने इसके पहले युद्ध या अन्य परिस्थितियों में अलग–अलग देशों में फंसे भारतीयों को निकाला है। यह माना जा सकता है कि यह विशिष्ट स्थिति है, लेकिन अब कम से कम बचे लोगों की सम्मानपूर्वक वापसी कराई जाये। यह कहकर उन्हें लावारिस नहीं छोड़ा जा सकता कि वे अवैध रूप से गये थे या क्या वे सरकार को बता कर गये थे? भारत को अमेरिकी सरकार से इस बाबत कड़ाई से बात करनी चाहिये क्योंकि बेड़ी–हथकड़ियों में नागरिकों का लाया जाना किसी भी देश के ही लिये नहीं वरन समस्त मानवीयता के लिये एक कलंक है। इस घटना ने जहां एक ओर भारत सरकार की कमजोरी को साबित किया है वहीं उन लोगों की कथित देशभक्ति का भी खुलासा हो गया जो किसी भी कीमत पर सरकार के साथ खड़े होकर उसकी नाकामियों को महिमा मंडित करते हैं। ऐसे लोगों ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि उनके लिये देश का सम्मान कोई मायने नहीं रखता और उनकी पार्टी उनके लिये स्वाभिमान तथा राष्ट्रीय गौरव से बढ़कर है।

इधर-उधर के बजाय गंतव्य पर टिकाएं ध्यान, खुद को स्वीकारें

❍ एकाग्रचित्त वालों का सारा ध्यान अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहता है। यह चित्त की ऊंची अवस्था है। यदि पक्षी की आंख का भेदन करना है, तो मन के लेंस को केंद्रित करना होगा, ताकि यह केवल लक्ष्य को देखे।

स्वामी सत्यानंद सरस्वती

आध्यात्मिक जीवन में अनेक मार्ग होते हैं। इन विभिन्न मार्गों का जीवन के लक्ष्य से कोई संबंध नहीं है। मार्गों का संबंध यात्रियों से तथा उनकी यात्रा आरंभ करने के स्थान से होता है। दिल्ली पहुंचने वाले रास्तों का दिल्ली से क्या लेना–देना है? महत्व इस बात का है कि उस मार्ग पर चलने वाला कहां रहता है। हो सकता है वह देवघर या अहमदाबाद अथवा मॉस्को में रहता हो। जब तुम बंगलूरू में हो, उसी समय कोलकाता या मुंबई में नहीं हो सकते। इसलिए बंगलूरू से दिल्ली की यात्रा कैसे करें, यह सोचना तुम्हारा काम है। इस प्रकार तुम्हारे लिए बंगलूरू का अधिक महत्व है। दूसरेघ्शब्दों में, लक्ष्य या मार्ग की ओर देखने के बदले तुम्हें यह पता लगाना होगा कि तुम अभी कहां हो या किस श्रेणी में हो।

आध्यात्मिक यात्रियों की पांच श्रेणियां होती हैं। सबसे पहली श्रेणी में मूढ़ लोग आते हैं, जो भ्रम में खोए हुए हैं और उन तक पहुंचना, उनको जगाना बहुत कठिन है। दूसरी श्रेणी में क्षिप्त चित्त वाले लोग आते हैं, जिनका दिमाग, इच्छाएं, कामनाएं, उद्देश्य, उपलब्धियां, कर्म, अभिव्यक्तियां, व्यक्तित्व, पसंद–नापसंद, रोग–द्वेष सब बिखरे हुए हैं। वे किसी एक विकल्प पर स्थिर नहीं हो पाते। कभी उनको फिल्म स्टार बनना है, तो कभी नेता बनना है। कभी उनको स्वर योग करने का मन करता है, तो कभी कुंडलिनी योग। ऐसे लोगों को बोलते हैं क्षिप्त। उनका मन अस्थिर और चित्त अस्तव्यस्त रहता है। तीसरी श्रेणी के लोग घड़ी के पेंडुलम की तरह डोलते रहते हैं। घड़ी के पेंडुलम का कम से कम एक स्थिर मध्यबिंदु रहता है, जहां वह रुकता है। तुम्हारा मन इधर–उधर भटकता रहता है, फिर तुम प्राणायाम का अभ्यास करते हो। तुम अन्य किसी विषय के बारे में सोचने लगते हो कि अचानक ख्याल आता है, मैं तो प्राणायाम कर रहा था और फिर वापस अभ्यास करने लगते हो। जब मन भटकता है, तो तुम उसे फिर से वापस केंद्र में ला सकते हो।

यह मन की तीसरा श्रेणी है, जिसे विक्षिप्त कहा जाता है। मूढ़, क्षिप्त और विक्षिप्त– ये तीन मन की श्रेणियां हैं, अधिकतर लोग इन्हीं श्रेणियों में आते हैं। चौथी श्रेणी है एकाग्र चित्त वालों की। वे चाहे खाएं, पीएं या जो भी काम करें, उनका सारा ध्यान एक चीज पर केंद्रित रहता है। यह चित्त की बहुत ऊंची अवस्था है। एकाग्रचित्त की एक सुप्रसिद्ध कथा है। एक बार गुरु द्रोणाचार्य अपने शिष्यों को धनुर्विद्या सिखा रहे थे। उन्होंने सबको बारी–बारी से बुलाया और सबसे एक ही प्रश्न किया, 'तुम्हें सामने वाले वृक्ष पर क्या दिखाई दे रहा है?' ज्यादातर ने कहा कि मुझे वृक्ष, उनकी शाखाएं, टहनियां, पत्ते और पक्षी दिखाई दे रहे हैं। अंत में अर्जुन ने कहा, मुझे मात्र एक काला बिंदु, पक्षी की आंख दिखाई दे रहीघ्है। अगर तुम्हें पक्षी की आंख का भेदन करना है, तो तुम्हें अपने मन के लेंस को केंद्रित करना होगा, ताकि यह केवल लक्ष्य को देखे। पांचवीं अवस्था निरुद्ध चित्त यानी चित्त की नियंत्रित अवस्था है।घ्जैसे आप कार को रोकने के लिए ब्रेक लगाते हैं, उसी प्रकार मन की गति को रोकना निरोध कहलाता है। यह बहुत उच्च अवस्था है।

सूत्र– खुद को स्वीकारें

आत्मनिरीक्षण करने के लिए अपने प्रति ईमानदार बनना होगा। पहले अपने आप को स्वीकार करो, फिर पता लगाओ कि मैं कौन हूं। अपने को जानने के एक नहीं अनेक तरीके हैं। तुम्हें एक आईने की आवश्यकता होगी। तुम्हारा आलोचक तुम्हारा आईना है, क्योंकि वह तुम्हारा सच्चा रूप तुम्हें दिखा देता है।

अमेरिकी सपने जीने की दुखांत कहानियां... प्राप्य लक्ष्य और तबाही वाले झूठे सपनों का अंतर समझना ही होगा

❍ निर्वासित लोगों के परिवार सदमे में हैं और यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके बच्चों के डॉलर के सपने कैसे टूट गए।

पत्रलेखा चटर्जी

पंजाब के पवित्र शहर अमृतसर में उतरे अमेरिकी सैन्य विमान ने 104 भारतीय प्रवासियों को वापस भेज दिया, जिनकी कहानियां बहुत जानी–पहचानी हैं। युवा भारतीयों द्वारा अपनी जान, हाथ–पैर और बैंक–बैलेंस को जोखिम में डालकर 'अमेरिकी सपने' को साकार करने की कहानी पुरानी है। इनमें से कई तो अमेरिका पहुंच ही नहीं सके और बीच में ही अपनी जान गंवा बैठे। यह भी पहली बार है कि ज्यादातर निर्वासित लोग भारत के समृद्ध राज्यों से हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इनमें गुजरात (33), हरियाणा (34) और पंजाब के तीस लोग हैं, कुछ लोग उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र के भी हैं।

पहले चरण में 48 निर्वासित भारतीय 25 वर्ष से कम उम्र के हैं। इनमें 25 महिलाएं एवं 12 नाबालिग भी हैं, जिनमें एक चार वर्ष का बच्चा भी है। भारत सरकार ने कहा है कि वह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे सभी भारतीय नागरिकों की पहचान करने और उनके विवरण की पुष्टि करने के बाद उन्हें वापस भेजने के लिए ट्रंप प्रशासन के साथ सहयोग करने की योजना बना रही है। अमेरिका में करीब 7,25,000 भारतीय बिना दस्तावेज के हैंघ्और जिन लोगों को पहले चरण में वापस भेजा गया है, वह एक छोटी संख्या है। इनकी कहानियों में एक बात समान है–इनके सिर्फ सपने ही नहीं टूटे हैं, बल्कि ये भारी कर्ज में भी डूब गए हैं। इन निर्वासितों में से कई ने अमेरिका में अवैध प्रवेश के लिए लाखों रुपये खर्च किए, इस

उम्मीद में कि अंततः उन्हें कानूनी दर्जा मिल जाएगा। कई अन्य वैध दस्तावेज पर अमेरिका में प्रवेश तो कर गए, लेकिन वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी वहीं टिके रहे। निर्वासित भारतीयों के परिवारों ने कर्ज लिया, अपनी जमीनें एवं घर बेचे और अपमान झेलने के अलावा अब वे इस बात को लेकर चिंतित हैं कि इतनी बड़ी रकम कैसे चुकाई जाए। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, परिवारों ने अपने युवाओं को 'डंकी रूट' से विदेश भेजने के लिए एजेंटों को 40घ्से 60 लाख रुपये तक दिए थे, कई मामलों में तो यह रकम एक करोड़ या इससे ऊपर भी है। लेकिन यह कदम उल्टा पड़ गया। पंजाब के कपूरथला जिले के बहबल गांव का युवा गुरप्रीत सिंह मात्र छह महीने पहले अमेरिका गया था। उसके परिजनों का कहना है, 'हमने अपना घर खो दिया, रिश्तेदारों, दोस्तों और अन्य लोगोंघ्से 45 लाख रुपये ऋण लिया। अब हम तभी बच सकते हैं, जब सरकार हमारी मदद करे। अन्यथा सब खत्म हो जाएगा।'

एक प्रमुख गुजराती अखबार गुजरात समाचार के अनुसार, 'उत्तरी गुजरात के मेहसाणा, गांधीनगर, पाटन और बनासकांठा जिलों के विभिन्न गांवों के कुल 33 लोगों को निर्वासित किया गया है।' मेहसाणा जिले मेंघ्खेरवा, जोरारनंग और मेउ गांवों को तो 'डोलारियो विस्तार' (डॉलर क्षेत्र) के रूप में जाना जाता है, क्योंकि इन गांवों से बड़ी संख्या में लोग वर्षों से विदेश में बस गए हैं। निर्वासित लोगों के परिवार सदमे में हैं और यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके बच्चों के डॉलर के सपने कैसे टूट गए। अवसाद में डूबे ये भारतीय, जिनके सपने धूमिल हो गए हैं, क्या लालच के प्रतीक हैं या ये युवा केवल अन्य लाखों लोगों की तरह बेहतर अवसर की तलाश में विदेश गए थे? विदेशी धरती पर कानून के उल्लंघन के कारण इनके साथ हुई घटनाएं दिल दहला देने वाली हैं।

कहा जा रहा है कि बेरोजगारी और कम वेतन के कारण समृद्ध राज्यों के युवा भी देश छोड़कर अमीर देशों में जाने को मजबूर हैं। लेकिन करोड़ों रुपये खर्च कर अमेरिका पहुंचने के सपने देखने वाले इतने भी कम सामर्थ्यवान नहीं रहे होंगे। दरअसल, बहुत से लोग सोचते हैं कि अगर वे किसी तरह वहां पहुंच गए, तो वे अंततः वहां के नागरिक बन जाएंगे। यह बहुत ज्यादा अज्ञानता और भोलापन दर्शाता है। बढ़ती गलाकाट प्रतिस्पर्धा की दुनिया में हर देश सिर्फ अपने बारे में सोच रहा है, और अमीर देश बैरिकेड्स लगाकर संरक्षणवादी बन रहे हैं। भारत को इस समस्या की जड़ को खत्म करने के बारे में कदम उठाना चाहिए। कानूनी दस्तावेजों के बिना दूसरे देशों में जीवन हमेशा जोखिम भरा होता है। अगर जीवन है, तो उम्मीद भी है।

लोकतंत्र को निगलता पूंजीवाद

भापने दूसरे कार्यकाल में कुछ और ज्यादा दबंग होकर शासन करने की मंशा पाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब बेहद खतरनाक खेल खेलने पर उतारू हो गए हैं। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में इजरायल के प्रध ाानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका के पहले विदेशी मेहमान बने। इस बात से ही जाहिर हो जाता है कि अमेरिका और इजरायल के बीच किस किस्म की घनिष्ठता है। नेतन्याहू से मुलाकात के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गजा पर अमेरिका के नियंत्रण से जुड़ा चौंकाने वाला प्रस्ताव पेश किया। ट्रंप का मानना है कि गजा एक ऐसी जगह है जहां सब कुछ ध्वस्त हो चुका है। अब अमेरिका गजा पट्टी को नियंत्रण में लेकर यहां से जिंदा बमों को हटाकर, पुनर्निमाण करके अर्थव्यवस्था को गति देने का काम कर सकता है। बकौल ट्रंप फिलीस्तीन के लोग केवल इसलिए गजा वापस जाना चाहते हैं क्योंकि उनके पास कोई विकल्प नहीं है। इसलिए ट्रंप ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि गजा के 18 लाख लोगों को दूसरे अरब देशों में भेज देना चाहिए, ताकि अमेरिका गजा पर नियंत्रण करे और इस बर्बाद हो चुके फिलीस्तीनी क्षेत्र को फिर से बनाए। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या उनके इस ताजा रुख के मायने ये हैं कि वो इजरायल और फिलीस्तीन के विवाद को सुलझाने के लिए दो राष्ट्र सिद्धांत के खिलाफ हैं। तो ट्रंप ने जवाब दिया, इसका दो राष्ट्र या एक राष्ट्र या किसी भी राष्ट्र से कोई मतलब नहीं है। गनीमत है कि जवाब देने में ट्रंप ने ईमानदारी दिखाई कि इसका किसी भी राष्ट्र से कोई मतलब नहीं है। वैसे भी ट्रंप इस समय जो कर रहे हैं, वही अमेरिका की मंशा हमेशा से रही है। फर्क यही है कि अब तक के राष्ट्रपतियों ने खुलकर गजा पर अधिकार जमाने की बात नहीं की थी, ट्रंप विकास, रोजगार और पुनर्निर्माण जैसे शब्दों की जुगाली करते हुए इस बात को बेझिझक कह रहे हैं। ट्रंप ने गजा पट्टी की तुलना नरक से करते हुए कहा, श्यहां लोगों को कभी जीने का मौका नहीं मिला।श हालांकि उनसे पूछा जाना चाहिए कि गजा को नरक बनाने में अमेरिका की भूमिका के बारे में वे क्या कहेंगे। यहूदियों को बसाने के लिए इजरायल नाम के नए देश का निर्माण आखिर किस की पहल पर हुआ। ट्रंप अब भी गजा के लोगों को दूसरे अरब देशों में भेजने की बात कर रहे हैं, अगर उन्हें भलाई करने का इतना ही शौक है तो क्यों नहीं अमेरिका में उन्हें बसने बुला लेते। अभी तो वे अमेरिका से उन लोगों को भी खदेड़ रहे हैं, जिनके पास अमेरिकी कानून के तहत पूरे कागजात नहीं हैं। ऐसे प्रवासी अवैध कहे जा सकते हैं, लेकिन ट्रंप तो इन्हें अपराधियों की तरह हथकड़ी लगाकर वापस भेज रहे हैं। भारत में भी बुधवार को ऐसे प्रवासी भारतीयों की पहली खेप आई है। वैश्विक स्तर पर यह देश का बड़ा अपमान है। अफसोस की बात यह है कि इतनी बड़ी शर्मिंदगी का अहसास प्रधानमंत्री को नहीं है, वे गंगाजी में डुबकी लगाने का आनंद ले रहे हैं। बहरहाल, गजा पर ट्रंप की योजना पर उनसे पूछा गया कि क्या भविष्य में गजा पर अमेरिका का स्वामित्व होगा, क्या आप किसी संप्रभु क्षेत्र पर कब्जा करने की बात कर रहे हैं? तो ट्रंप ने कहा, हां. वह अमेरिका की अगुवाई में लंबे समय तक ऐसा नियंत्रण करने की कल्पना कर रहे हैं। उस जमीन के टुकड़े पर अधिकार पाना, उसका विकास करना, हजारों नौकरियां पैदा करना। ये वाकई शानदार होगा। हर कोई इस विचार को पसंद करता है। इस हर कोई में कौन–कौन शामिल है, इसका खुलासा तो अभी नहीं हुआ है, लेकिन मिस्र, जॉर्डन, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, फिलीस्तीनी प्राधिकरण और अरब लीग ने एक साझा बयान जारी करते हुए ट्रंप की इस योजना को खारिज और चेतावनी दी है कि इस तरह की योजना क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा पैदा करेंगी और संघर्ष तेज होने का जोखिम भी बढ़ाएगी। हमास भी स्वाभाविक तौर पर इस योजना से नाराज है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत किसी जगह की आबादी को जबरन कहीं और भेजना प्रतिबंधित है। लेकिन ट्रंप खुलेआम इस कानून की धज्जियां उड़ाने की योजना बता रहे हैं। अरब देश इसकी मुखालफत भले ही कर लें, लेकिन क्या ट्रंप को इस योजना पर अमल करने से रोका जा सकेगा, यह बड़ा सवाल है। क्योंकि ट्रंप के इर्द–गिर्द इस समय जो लोग खड़े हैं, उनके लिए मुनाफा ही सबसे बड़ा धर्म है और इसमें इंसानियत जैसे शब्दों की कोई जगह नहीं है। गजा को स्वर्ग बनाने के पीछे किस तरह भू राजनैतिक स्थितियों से छेड़छाड़ होगी, इजरायल और अमेरिका की खुफिया एजेंसियां, सेनाएं और तकनीकी ताकतें किस तरह के दुष्चक्र रचेंगी, इनका अंदाजा भी फिलहाल नहीं लगाया जा सकता। हालांकि ट्रंप के एक और फैसले से इस खेल की चालाकी समझी जा सकती है। टेस्ला कंपनी के मालिक, दुनिया के सर्वाधिक अमीर कारोबारियों में से एक और इस समय ट्रंप के सबसे करीबी माने जाने वाले एलन मस्क की पहुंच अब अमेरिकी सरकार की भुगतान प्रणाली तक हो गई है। मस्क द्वारा संचालित डीओजीईं यानी सरकारी दक्षता विभाग को सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर ग्राहक भुगतान प्रणालियों सहित संवेदनशील वित्तीय डेटा तक पहुंच मिल गई है। डीओजीआई को लेकर पहले ही अमेरिका में संदेह व्यक्त किया जा रहा है। ट्रम्प प्रशासन ने इस टास्क फोर्स का गठन ही इसलिए किया है ताकि संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकालने, कार्यक्रमों में कटौती करने और संघीय नियमों को कम करने के तरीके खोजे जा सकें। आसान शब्दों में कहें तो सरकार अपनी जिम्मेदारी इस टास्क फोर्स के जरिए कम करना चाहती है। इसकी कमान एलन मस्क के हाथों में है, जो विशुद्ध कारोबारी हैं और जिन्हें सरकार के संचालन में हिस्सा लेने के लिए अमेरिकी जनता ने निर्वाचित नहीं किया। अमेरिकी जनता ने डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति चुना है। लेकिन ट्रंप बेहतर प्रशासन के नाम पर कारोबारियों को बढ़ावा दे रहे हैं। अमेरिकी ट्रेजरी तक मस्क की पहुंच इसका बड़ा प्रमाण है। डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सांसद इस बात से काफी परेशान हैं कि मस्क के पास अमेरिकी सरकार में बहुत अधिक शक्ति है, उन्हें डर है कि मस्क के लोग अपने राजनीतिक एजेंडे के अनुरूप भुगतान को अवैध रूप से रोक सकते हैं। मस्क सोशल मीडिया पर भी इस बात को कह चुके हैं कि वे चौरिटी यानी कल्याणकारी कार्यों के लिए दिए जाने वाले भुगतान को बंद कर देंगे। ध्यान रहे कि ट्रेजरी के भुगतानों का प्रबंधन राजकोषीय सेवा द्वारा किया जाता है, जो सालाना 1.2 बिलियन डॉलर से अधिक लेनदेन करती है। अब इस लेनदेन तक मस्क की पहुंच हो चुकी है, जिसकी आलोचना अमेरिका में मीडिया और विपक्ष दोनों कर रहे हैं। ट्रंप को सत्ता संभाले अभी महीना भर भी नहीं हुआ और उनके फैसले जाहिर कर रहे हैं कि अमेरिका में पूंजीवाद और अमेरिका का पूंजीवाद पूरी तरह बेनकाब होकर दुनिया के सामने आ गए हैं। दुनिया में लोकतंत्र की रक्षा और बहाली के नाम पर अपनी पिठ्ठू सरकारें बनवाने वाला अमेरिकी पूंजीवाद अब कौन से कहर ढाएगा, यह सोचकर ही डर लगता है। क्योंकि इस खेल का प्रतिरोध भी होगा और उससे नए संघर्षों का जन्म होगा। भारत इन बदले हालात में किस तरह अपनी मजबूती दिखाएगा, इसमें भी संशय है। ट्रंप के शपथ ग्रहण में प्रध ाानमंत्री मोदी को निमंत्रण नहीं था, लेकिन मुकेश अंबानी वहां सपत्नीक मौजूद थे। अमेरिका में पहले विदेशी मेहमान इजरायली प्रधानमंत्री बने और उस समय अमेरिका से अवैध प्रवासियों को भारत भेजने की तैयारी हो रही थी। नरेन्द्र मोदी के अपने दोस्त ट्रंप से फोन पर की गई बातचीत से भी कोई खास उम्मीद नहीं बंधी। जिस तरह नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में कुछ खास उद्योगपतियों को बढ़ावा मिला, उसी तरह मस्क अमेरिकी सरकार पर हावी दिख रहे हैं। एक उद्योगपति के सरकार पर नियंत्रण बढ़ने के नतीजे अमेरिका में सामने आने लगे हैं, भारत के नागरिकों को भी अपने देश में ऐसे ही हालात बनने का डर लगना चाहिए। राहुल गांधी ने संसद में इस बात को समझाने की कोशिश की थी, लेकिन उनके एआई के जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने डबल एआई वाला बयान देकर बता दिया कि अमेरिका का जो अभी हाल है, जल्द ही भारत में भी पूंजीवाद लोकतंत्र को ऐसे ही निगलेगा।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

रेलगाड़ियों के टर्मिनल में परिवर्तन, शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन एवं मार्ग परिवर्तन

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि महाकुंभ मेला 2025 के दौरान निम्नलिखित रेलगाड़ियों के टर्मिनल में परिवर्तन, शॉर्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन एवं मार्ग परिवर्तन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:–

रेलगाड़ियों के टर्मिनल (स्टेशन) में परिवर्तन

गाड़ी सं.	स्टेशन से-स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	टार्मिनल (स्टेशन) में बदलाव	टार्मिनल स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान में बदलाव
22438	आनन्द विहार (ट.)-प्रयागराज	09.02.2025 से 27.02.2025 तक	सूबेदारगंज	आगमन - 06:15
12276	नई दिल्ली-प्रयागराज	08.02.2025 से 26.02.2025 तक	सूबेदारगंज	
12275	प्रयागराज-नई दिल्ली	09.02.2025 से 28.02.2025 तक	सूबेदारगंज	प्रस्थान - 00:30* (अगले दिन 00:00 प्रस्थान के कारण सूबेदारगंज स्टेशन पर टर्मिनल परिवर्तन के बाद निर्धारित प्रस्थान 22:35 बजे)
22437	प्रयागराज-आनन्द विहार(ट.)	10.02.2025 से 26.02.2025 तक	सूबेदारगंज	

नोटः- गाड़ी सं. 22437/12275 जो कि सूबेदारगंज से 22.35 बजे छूटती है, उसे टर्मिनल से अगले दिन 00.30 बजे रिशेड्युल किया जाएगा। उदाहरण के लिए 12275 जो कि 09.02.2025 को सूबेदारगंज से छूटती है यह गाड़ी 10.02.2025 को 00.30 बजे छूटेगी और इसी तरह आगे की तिथियों में भी जारी रहेगी।

रेलगाड़ियों का शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से-स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	शार्ट टर्मिनेटेड/ओरिजिनेटेड	शार्ट टर्मिनेटेड/ओरिजिनेटेड स्टेशन पर संभावित आगमन/प्रस्थान
14118	बर्द्धमान-प्रयागराज	11.02.2025 एवं 12.02.2025	कानपुर सेंट्रल	आगमन - 09:35 (12.02.25 एवं 13.02.25 को)
14117	प्रयागराज-बर्द्धमान	12.02.2025 एवं 13.02.2025	कानपुर सेंट्रल	प्रस्थान - 18:25 (12.02.25 एवं 13.02.25 को)
22549	गोरखपुर-प्रयागराज	12.02.2025 एवं 13.02.2025	प्रयाग/फाफामऊ	आगमन - 13:30 (12.02.25 एवं 13.02.25 को)
22550	प्रयागराज-गोरखपुर	12.02.2025 एवं 13.02.2025	प्रयाग/फाफामऊ	प्रस्थान - 15:30 (12.02.25 एवं 13.02.25 को)
14115	डॉ. अम्बेडकर नगर-प्रयागराज	11.02.2025 एवं 12.02.2025	खजुराहो	आगमन - 23:05 (11.02.25 एवं 12.02.25 को)
14116	प्रयागराज-डॉ. अम्बेडकर नगर	12.02.2025 एवं 13.02.2025	खजुराहो	प्रस्थान - 21:30 (12.02.25 एवं 13.02.25 को)

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	आगमन	प्रस्थान	वर्तमान मार्ग	परिवर्तित मार्ग वाया	परिवर्तित मार्ग पर ठहराव	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
11061	लोकमान्य तिलक(ट.)-जयनगर	09:35	10:05	मानिकपुर-प्रयागराज-ज्ञानपुर रोड-वाराणसी-औड़िहार	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-ब्लॉक हट के-वाराणसी-जौनपुर-औड़िहार	प्रयागराज छिवकी 09:30-09:35 (नैनी, प्रयागराज, प्रयागराज रामबाग के स्थान पर)	11.02.2025
15160	दुर्ग-छपरा	12:10	12:45	मानिकपुर-प्रयागराज-जंघई-वाराणसी-औड़िहार	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-ब्लॉक हट के-वाराणसी-जौनपुर-औड़िहार	प्रयागराज छिवकी 11:30-11:35 (नैनी, प्रयागराज, प्रयाग के स्थान पर)	11.02.2025
22683	यशवंतपुर-लखनऊ	12:40	13:05	मानिकपुर-प्रयागराज-माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-लखनऊ	ओहन-बाँदा-भीमसेन-कानपुर सेंट्रल-लखनऊ	----	10.02.2025
15017	लोकमान्य तिलक(ट.)-गोरखपुर	07:55	08:20	मानिकपुर-प्रयागराज-जंघई-वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	----	11.02.2025
11071	लोकमान्य तिलक(ट.)-बलिया	15:50	16:15	बीना-सागर-मानिकपुर-प्रयागराज-जंघई-वाराणसी	बीना-वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-जौनपुर-वाराणसी	----	11.02.2025
22129	लोकमान्य तिलक(ट.)-अयोध्या कैंट	08:40	09:05	मानिकपुर-प्रयागराज-माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-अयोध्या कैंट	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-उरई-कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-अयोध्या कैंट	----	11.02.2025
11059	लोकमान्य तिलक(ट.)-छपरा	08:10	08:50	मानिकपुर-प्रयागराज-जंघई-जफराबाद	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-शाहगंज	----	11.02.2025
11062	जयनगर-लोकमान्य तिलक(ट.)	03:00	03:30	औड़िहार-वाराणसी-ज्ञानपुर रोड-प्रयागराज -मानिकपुर	औड़िहार-जौनपुर-वाराणसी-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 02:30-02:35 (नैनी, प्रयागराज, प्रयागराज रामबाग के स्थान पर)	11.02.2025
22104	अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक(ट.)	05:00	05:25	जौनपुर-मरियाहु-प्रयागराज-मानिकपुर	जौनपुर-वाराणसी-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 05:30-05:35 (नैनी, प्रयागराज के स्थान पर)	11.02.2025
15018	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक(ट.)	15:50	16:10	औड़िहार-वाराणसी-जंघई-प्रयागराज-मानिकपुर	गोरखपुर-बाराबंकी-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी-बीना-इटारसी	----	12.02.2025
11072	बलिया-लोकमान्य तिलक(ट.)	19:10	19:35	वाराणसी-जंघई-प्रयागराज-मानिकपुर	वाराणसी-जौनपुर-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी-बीना	----	12.02.2025
15159	छपरा-दुर्ग	15:15	15:40	वाराणसी-प्रयाग-प्रयागराज-मानिकपुर	औड़िहार-जौनपुर-वाराणसी-ब्लॉक हट के-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर	प्रयागराज छिवकी 15:40-15:45 (नैनी, प्रयागराज, प्रयाग के स्थान पर)	12.02.2025
22130	अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक(ट.)	18:00	18:25	अयोध्या कैंट-प्रयाग-प्रयागराज-मानिकपुर	अयोध्या कैंट-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-उरई-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	----	12.02.2025

नोटः- रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 271/25 (A)

गौशालाओं में निर्धारित क्षमता के अनुसार ही गोवंशों को संरक्षित करें

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में निराश्रित गोवं□ा की समीक्षा बैठक सम्पन्न

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी जी की अध्यक्षता में कल सायंकाल कैम्प कार्यालय के सभागार में जनपद स्तरीय निराश्रित गोवंश की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 प्रदीप कुमार ने बताया कि जनपद में 59 अस्थायी गौशाला है जिनमें 12397 गोवंश, 06 वृहद गो–संरक्षण केन्द्र जिनमें

➢ चारागाह की जमीनों पर अवैध अतिक्रमण को खाली कराकर हरे चारे की बुवाई करायी जाये–जिलाधिकारी

1623 गोवंश, 05 कान्हा गौशला जिनमें 1132 गोवंश, 08 कांजी हाउस जिनमें 303 गोवंश संरक्षित किये गये है तथा 05 पंजीकृत गौशाला में 185 गोवंश संरक्षित है। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अन्तर्गत प्राप्त लक्ष्य 2065 के सापेक्ष कुल 2254 गोवंश कृषकों/पशुपालकों को सुपुर्द किये गये है। उन्होने बताया कि निर्माणाधीन 04 वृहद संरक्षण केन्द्र क्रमशः अमांवा (विकास खण्ड लालगंज), नरायनपुर (लक्ष्मणपुर), पहाड़पुर (लालगंज) व ढिंगौसी (रामपुर संग्रामगढ़) है जिनमें से अमांवा वृहद संरक्षण केन्द्र का निर्माण पूर्ण हो गया है लेकिन अभी तक हैण्डओवर नही हुआ है जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि 15 दिन के अन्दर अमांवा वृहद संरक्षण केन्द्र को हैण्डओवर किया जाये तथा अन्य निर्माणाधीन वृहद संरक्षण केन्द्रों को गुणवत्तायुक्त ढंग से पूर्ण कराया जाये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जिन तहसील/विकास खण्डों में वृहद गो–संरक्षण केन्द्र का निर्माण नही कराया गया है वह तत्काल भूमि का चिन्हांकन/सीमांकन कराते हुये निर्माण कार्य कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को निर्देशित किया कि जनपद में स्थापित/संचालित समस्त गांजी

हाउस को माडल रूप में विकसित करें। सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद के समस्त तहसीलों/विकास खण्डों/नगर पंचायतों में कैटल कैचर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा अस्थायी गौशाला, वृहद गो–संरक्षण केन्द्र, कान्हा गौशाला, कांजी हाउस की विस्तृत समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद के प्रत्येक विकास खण्डों में कम से कम 4–4 अस्थायी गोवंश आश्रय होना आवश्यक है जिन ब्लाकों में 4 अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल नहीं है वहां पर अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल की संख्या बढ़ायी जाये। जिलाधिकारी ने कान्हा गौशाला के सम्बन्ध में मुख्य राजस्व अधिकारी से कहा कि जिन नगर पंचायतों में कान्हा गौशाला का निर्माण नहीं कराया गया है वहां तत्काल भूमि का चिन्हांकन करते हुये कान्हा गौशाला का निर्माण कार्य कराया जाये। उन्होने निर्देशित किया कि जनपद में स्थापित/संचालित गोवंश आश्रय स्थलों में मनरेगा योजना के द्वारा बायोफेन्सिंग का कार्य पूर्ण कराया जाये। निराश्रित गोवंश की समीक्षा में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा पूर्ण तैयारी के साथ प्रतिभाग न करने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये निर्देशित किया कि अगली बैठक में बिन्दुवार पूर्ण तैयारी के साथ उपस्थित हो।

जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि जिन चारागाहों की जमीनों पर अतिक्रमण किया गया है उसे खाली कराने के लिये सम्बन्धित उपजिलाधिकारियों को जिलाधिकारी के माध्यम से पत्राचार कर चारागाह की जमीनों को खाली करायें तथा वहां पर हरे चारे की बुवाई करायी जाये। चारागाह की जमीनों पर यदि किसी गरीब की झोपड़ी है तो जब तक उसके रहने की वैकल्पिक व्यवस्था न करा दी जाये तब तक उसे न हटाया जाये इसका विशेष ध्यान दें। जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया गया कि चारागाहों की जमीनों के मिट्टी की जांच करायी जाये जिससे पता चल सके कि किस हरे चारे की बुवाई की जा सकती है और उसके अनुरूप ही जई, नेपियर, सरसो आदि की बुवाई करायी जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि गौशालाओं के लिये जनसहयोग भी लिया जाये जिसके लिये बड़े व्यापारियों, समाजसेवियों की सूची बनाकर उसकी बैठक करायी जाये तथा गाय के महत्व के बारे में बताया जाये। खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि गाइडलाइन के अनुसार अपने–अपने क्षेत्र की गौशालाओं का प्रत्येक माह निरीक्षण अवश्य करें। गौशालाओं में निर्धारित क्षमता के अनुसार ही गोवंशों को संरक्षित किया जाये, क्षमता से अधिक गोवंशों को गो आश्रय स्थलों में न रखा जाये इस पर विशेष ध्यान दें। उन्होने यह भी निर्देशित किया कि जिन गौशालाओं में गोवंश कम है वहां पर अधिक गोवंश वाली गौशालाओं से गोवंशों को लाकर रखा जाये। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, खण्ड विकास अधिकारियों, पशु चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने अपने कार्यो एवं दायित्वों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं लगन के साथ कार्य करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय तिवारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव सहित खण्ड विकास अधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

मृतकों की वास्तविक सूची जारी करे सरकार

बस्ती। कांग्रेस आरटीआई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग किया है कि महाकुंभ मेले में भगदड़ के लिये जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई के साथ ही मृतकों की वास्तविक संख्या को जारी किया जाय।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि यह हैरान करने वाली बात है कि कुंभ मेले में करोडो लोगों ने स्नान कर लिया इसकी गिनती तो आसानी से हो जा रही है किन्तु भगदड़ में कितने मारे गये, कितने घायल है और कितने लोग लापता है इसे बता पाने में सरकार और प्रशासन दोनों असमर्थ हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि घटना का सच दिखाने का साहस जुटाने वाले पत्रकारों को जेल भेजवा देने की धमकियां दी जा रही है। परेशान लोगों का आसू पोछने उन्हें सहायता देने की जगह उनकी घोर उपेक्षा किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। कहा कि एक तरफ लोगों की जान जा रही थी तो दूसरी ओर अमृत स्नान करने वाले संतों पर हेलीकाप्टर से फूलों की बर्षा की जा रही थी, यह सनातन परम्परा के विरूद्ध है।

विपत्ति से प्रभावित नहीं होते भगवान के भक्त

चित्रकूट(आरएनएस)। श्रीमद् भागवत जीवन का पूरक ग्रंथ है। भागवत कथा जीव और ब्रम्ह का सम्बन्ध बताती है। भगवान श्रीकृष्ण का वांगमय स्वरूप है और भगवान की शब्दामयी मूर्ति है।

यह विचार जिला मुख्यालय स्थित कमल निवास में चल रही श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के दूसरे दिन सोमवार को कथा व्यास बृजेश कुमार पयासी ने श्रोताओं के समक्ष व्यक्त किए। उन्होंने भगवान सुकदेव का चरित्र एवं राजा परीक्षित की कथा का वर्णन करते हुए कहा कि इस ग्रंथ की महिमा समझने के लिए श्रीधर स्वामी ने द्वितीय स्कंध में उद्देश्य और लक्षण का वर्णन किया है। उन्होंने कहा है कि इस कल्प तरु का मधुर रस वर्षिणी के नीचे षड्दर्शन मात्र ही आनंदित हो रहा है। अमित गुण सम्पन्न श्रीमद्भागवत का भी सार इसका दशम् स्कन्ध है। श्रीमद्भागवत निगम कल्प तरु के सुपक्व एवं सुरस फल के रूप में और कहीं–कहीं तो स्वयं कल्प तरु के रूप में भी वर्णित है। कथा व्यास ने कहा कि श्री शिव पुराण संहिता में भगवान श्रीकृष्ण को श्रीमद्भागवत रूपी शाखा प्रशाखा युक्त कल्प तरु के फल रूप में निरुपित करते हुए, उसकी वंदना की गई है। इसी क्रम में कुंती द्वारा भगवान की स्तुति व दुःख का वरदान मांगना, भगवान के भक्तों पर सम्पत्ति और विपत्ति का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। परम पुरूष स्वयं भगवान श्रीकृष्ण है, जिनके अन्य सभी भगवत स्वरूप अंश कर्ता मात्र है। इसके चलते कृष्ण विषयक प्रीति की ही परम रस में परिणति सम्भव है। प्रेम जितना प्रगाढ़ होता, उतनी ही उसकी आस्वादन चमत्कारिता अधिक होगी और उतनी ही उसमें श्रीकृष्ण को वशीभूत करने की अधिक शक्ति होगी। दास्य, संख्या और वात्सल्य प्रेम की अपेक्षा बृज सुंदरियों का प्रेम ही परम रस है। इसलिए अप्राकृत वृंदावन के अप्राकृत काम या उज्ज्वल श्रृंगार रस को तब तक समझना कठिन है, जब तक हम अपने जड़ीय संस्कारों से मुक्त नहीं हो जाते हैं। इस मौके पर कथा यजमान सोमा शुक्ला, पूर्व विधायक आनंद शुक्ला, मनीष शुक्ला, देवेन्द्र त्रिपाठी, शिवाकांत बलुआ, पुष्पराज सिंह, नवल सिंह चंदेल, आदर्श मिश्र, पुरूषोत्तम पाण्डेय, अभिनव द्विवेदी, विनय मिश्र, सतीश मिश्र, संदीप त्रिपाठी, शेखर मिश्र आदि मौजूद रहे।

फसल बीमा का लाभ प्राप्त करने सुगमता होगी

आजमगढ़। एग्रीस्टैक (डिजीटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर एग्रीकल्चर) के अर्न्तगत फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने के सम्बन्ध में विशेष अभियान दिनांकरू 31 जनवरी 2025 तक सभी ग्राम संतृप्त होने तक कृषि एवं राजस्व विभाग द्वारा ग्रामों में कैम्प लगाकर फार्मर रजिस्ट्री बनायी जा रही है।उप कृषि निदेशक, आजमगढ़ मुकेश कुमार ने बताया कि एग्रीस्टैक परियोजना के अन्तर्गत डिजिटल बेस किसान रजिस्ट्री तैयार की जानी है, जो किसान भाई अधोप्राकर तैयार करा सकते हैं। उन्होने बताया कि किसान भाई मोबाइल एप थ्तउमत तमहपेजतल न्च के माध्यम से स्वयं रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। सीएससी मोड में किसान भाई जन सेवा केन्द्र के माध्यम से भी निर्धारित शुल्क अदा कर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। कृषि एवं राजस्व विभाग द्वारा प्रत्येक ग्रामों में कैम्प लगाकर फार्मर रजिस्ट्री बनायी जायेंगी। किसान भाई कैम्प में आकर भी फार्मर रजिस्ट्री बनवा सकते हैं।उन्होने बताया कि पीएम किसान योजना के अंतर्गत किस्त प्राप्त करने हेतु अनिवार्यता की शर्त को पूर्ण कर लाभ प्राप्त करने में सुगमता होगी। पीएम किसान योजना के संतृप्तिकरण करने में सहायता मिलेगी। कृषकों को फसली ऋण हेतु किसान क्रेडिट कार्ड एवं एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड एवं कृषि के विकास हेतु अन्य ऋण प्राप्त करने में सुगमता होगी। फसल बीमा का लाभ प्राप्त करने सुगमता होगी। इसके साथ साथ आपदा प्रबंध के अंतर्गत कृषकों को छति पूर्ती हेतु कृषकों के चिन्हांकन में सुगमता होगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद में कृषकों का पंजीकरण वदसपदम माध्यम से हो सकेगा। कृषकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ प्राप्त करने में कृषि एवं सम्बद्ध विभागों को फार्मर रजिस्ट्री के उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर योजनाओं का लाभ वितरण करने में सुगमता होगी और लाभार्थी के बार–बार सत्यापन आवश्यक नहीं होगा। कृषकों को समय से वांछित परामर्श, विभिन्न संस्थाओं द्वारा कृषकों से सम्पर्क के अवसर में वृद्धि के साथ साथ नवोन्मेषी कार्यक्रमों के विस्तार में सफलता प्राप्त होगी।उन्होने बताया कि इसका लाभ लेने के लिए कृषक को अपने साथ कैम्प में अपनी सभी भूखण्डों की खतौनी ले जानी होगी। कृषक को अपने साथ अपना मूल आधार कार्ड ले जाना होगा। कृषक का आधार कार्ड उनके मोबाईल नम्बर से लिंक होना अनिवार्य है। आधार लिंक मोबाईल फोन अपने साथ ले जाना अनिवार्य होगा। कृषक को मोबाईल पर प्राप्त ओ0टी0पी0 कैम्प में टीम को साझा करना होगा। उप कृषि निदेशक ने सभी किसान भाईयों से अपील किया है कि अपने ग्राम में आयोजित होने वाले कैम्प में प्रतिभाग कर प्राथमिकता से अपनी फार्मर रजिस्ट्री तैयार करा लें, ताकि पी0एम0 किसान की आगामी किस्त सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ आपको सुलभ रुप से प्राप्त हो सके। किसान बन्धु अभियान सम्बन्धी विस्तृत जानकारी अपने निकटतम कृषिध्राजस्वकर्मी या कार्यालयध जनसेवा केन्द्र से प्राप्त कर सकते हैं।

शिकायतों का समय से निस्तारण सुनिश्चित करें

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में तहसील रानीगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान विधायक रानीगंज डा0 आर0के0 वर्मा द्वारा जनसामान्य की शिकायतों को सुना गया। पुलिस विभाग से सम्बन्धि

➢ सम्पूर्ण समाधान दिवस रानीगंज में डीएम एवं एसपी ने सुनी □ाकायतें, 04 मामलों का मौके पर किया निस्तारण,

ात शिकायतों को पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार एवं विकास विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा द्वारा सुनी गयी। रानीगंज तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 266 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से 04 शिकायतें इस प्रकृति की पायी गयी जिनका मौके पर निस्तारण कर दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 266 शिकायतों में से 145 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 61, विकास विभाग से 46 एवं 14 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायतकर्ता भाईलाल निवासी कोयम, फूलचन्द्र सरोज निवासी अमरपुर आदि ने राजस्व सम्बन्धी शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर प्राप्त शिकायतों को सम्बन्धित अधिकारियों को हस्तगत करते हुये निर्देशित किया कि शिकायतों का समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा अनुरूप शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से ससमय किया जाये। उन्होने निर्देशित करते हुये कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आये जमीनी विवादों के शिकायतों को राजस्व और पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर बिना किसी पक्षपात के उन शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये। कोई भी गरीब व्यक्ति किसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये, इसका विशेष ध्यान दिया जाये। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी रानीगंज दीपक वर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, तहसीलदार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

साल्वर व अभ्यर्थी दोनों गिरफ्तार

आजमगढ़। कोतवाली पुलिस ने फर्जी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा में बैठने वाला साल्वर व अभ्यर्थी दोनों गिरफ्तार,प्रोफेसर अफसर अली (केन्द्राध्यक्ष) प्रिंसिपल शिब्ली नेशनल कालेज आजमगढ़ द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया कि शिब्ली नेशनल कालेज परीक्षा केन्द्र में संचालित की जा रही न्च्ैैब्ब् रू 2024–25 परीक्षा में दिनांक 04–01–2025 को प्रथम पाली की परीक्षा में कक्ष संख्या–103 में अनूप सागर पुत्र वीरेन्द्र कुमार ग्राम मऊपारा, देवकली गाजीपुर सम्मिलित हुआ, उक्त कक्ष में 03 कक्ष निरीक्षक, 01. डा0 मोहम्मद अफजल अन्सारी (7452805782), 02. शाहबाज अरशद (7518342606), 03. विजय कुमार यादव (9450118941) ड्यूटी पर थे। उक्त अभ्यर्थी का आधार वेरिफिकेशन प्रक्रिया में ज्ञल्ब अपडेट न हो पाने के कारण डाटा का मिलान नहीं हो पा रहा था, अतः संदेहवश जब पूछा गया तो पहले स्वीकार करने से मना कर दिया एवं स्वयं को अनूप सागर पुत्र वीरेन्द्र कुमार बताया परन्तु जब परीक्षा केन्द्र पर तैनात पुलिस बल की सहायता से सख्ती से पूछताछ की गयी तो उक्त सम्मिलित अभ्यर्थी ने अपना सही नाम विकास कुमार पुत्र राम आसरे प्रसाद निवासी असनिया कुवा, थाना कदम कुवा, पटना, बिहार बताया।

पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे, कार्मिक विभाग, मुख्यालय में दिनाँक 07.02.2025 को जनवरी–फरवरी–2025 माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी एवं सर्वश्रेष्ठ अनुभाग पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री अनुराग त्रिपाठी उपस्थित रहे। पुरस्कार समारोह में जनवरी–फरवरी माह के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार श्री सोनू वरिष्ठ लिपिकध्समापन अनुभाग, कार्मिक विभाग, प्रधान कार्यालय को उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रदान किया गयाप इनके द्वारा कार्यकुशलता के साथ सभी कार्यों का समय पर निपटान किया गया है। प्रति माह सेवानिवृत होने वाले अधिकारीध कर्मचारी की पेंशन बुकलेट समस्त दस्तावेज संलंग्न कर लेखा विभाग समय से भेजा गया है। चिकित्सा प्रतिपूर्ति व्यय का भुगतान एवं एकल खिडकी प्रणाली के सभी प्रकरणों का निष्पादन निर्धारित समय से किया जाता रहा है । इसी के साथ साथ मुख्यालय, मंडल एवं यूनिटो से प्राप्त कोर्ट केस पर तुरंत कार्यवाही की गयी है । सेवानिवृत अधिकारीध कर्मचारी द्वारा उम्मीद पोर्टल प्राप्त प्रकरण पर प्रतिदिन उचित कार्यवाही की जाती है। आर.टी.आई. में मांगी सूचनाध्जानकारी समय से उपलब्ध करायी गयी है। इसी कड़ी में जनवरी–फरवरी–2025 माह के सर्वश्रेष्ठ अनुभाग का पुरस्कार राजपत्रित गोपनीय अनुभाग, कार्मिक विभाग, मुख्यालय को प्रदान किया गया ।इनके द्वारा 08 केस एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से प्राप्त पत्रों का निस्तारण किया गया एवं लगभग 300 अधिकारियो की क– ात क्लीयरेंस एक माह के अंदर दिया गयाप इसके साथ 02 त्ज् अपील का निश्तारण किया गया हैप ग्रुप । अधिकारियो का कन्फर्मेशन, 03 अधिकारियो की डीपीसी सफलपूर्वक आयोजित की गयीप इसके अतिरिक्त D&AR प्रकरणों का समय से निस्तारण, DPC JAG (Adhoc)] SS (Adhoc / Regular)] JS/ Group 'A' कन्फर्मेशन, 100: अपग्रेडेशन आयोजित की गयी। कर्मचारियों के मध्य पठन–पाठन एवं बौद्धिक जागरूकता बढाने के लिए आयोजित प्रतियोगिता में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी द्वारा अपनी स्वरचित कविता प्रतुत की गयीप श्री राज नारायण, मो. फैजान, सुश्री ऋचा पाण्डेय एवं श्री अरविन्द कुमार पाण्डेय द्वारा कविता एवं गीत प्रस्तुत किये गए । अन्य कर्मचारियों ने भी इसमें बढ़–चढ़ कर हिस्सा लियाप कार्यक्रम का आयोजन कार्मिक विभाग, मुख्यालय के सभी कर्मचारियों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं जिज्ञासा को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। इस दौरान कार्मिक विभाग, मुख्यालय के समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें ।

10 जनपदों के विद्यार्थियों ने मेला किया भ्रमण

प्रयागराज। कानपुर प्रांत के 10 जनपदों से छात्र–छात्राएं महाकुम्भ नगर स्थित विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के शिविर में पहुंचे। इन विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक भी रहे। सभी ने पुण्य की डुबकी लगाई। मेला का भ्रमण किया। विद्या भारती की ओर से संस्कार केंद्र कुम्भ दर्शन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी के तहत दूसरे प्रांतों के अभावग्रस्त बच्चों को महाकुम्भ का भ्रमण कराया जा रहा है। विद्या भारती काशी प्रांत के प्रांत प्रचार प्रमुख विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने कहा कि कानपुर प्रांत (नगरीय एवं ग्रामीण) के 10 जिलों के संस्कार केंद्रों से 724 छात्र–छात्रा और अभिभावक बुधवार को शिविर में पहुंचे थे। इस अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचंद्र, डॉ. राम मनोहर, रजनीश, शेषधर द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में साक्षात्कार की तिथि घोषित

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विषय के संयुक्त शोध प्रवेश परीक्षा (क्रेट–2024) के लेवल टू यानी साक्षात्कार की तिथि घोषित कर दी गई है। चयनित अभ्यर्थियों का परिणाम घोषित कर दिया गया है और विभाग के सूचना पट पर चस्पा कर दिया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे अवंटित ईकाई के कार्यालय में सम्पर्क कर औपचारिकता पूर्ण कराकर प्रवेश के लिए 20 फरवरी तक विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में जमा कर दें।

चाइनीज मंझे से संविदा कर्मी घायल, हालत गंभीर

प्रयागराज, संवाददाता। करैलाबाग उपकेंद्र में तैनात बिजली विभाग के संविदा कर्मी उमेश निषाद का गला गुरुवार दोपहर चाइनीज मंझे से कट गया। खून से लथपथ हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने कई टांके लगाए। उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की जानकारी उपखंड अधिकारी राजवीर कटारिया ने उच्चाधिकारियों को दी है। करेली क्षेत्र निवासी उमेश निषाद गुरुवार दोपहर बकायेदारों को नोटिस देने के लिए बाइक से निकले थे। करैलाबाग मोहल्ले में अचानक उनके गले में चाइनीज मंझा फंस गया। जब तक वे बाइक रोक पाते, मंझे से उनका गला गहराई तक कट गया। राहगीरों ने उन्हें खून से लथपथ देखा और मदद की। उमेश ने बताया कि वह करैलाबाग उपखंड में तैनात संविदा कर्मी हैं, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। एसडीओ राजवीर कटारिया ने अवर अभियंता समेत अन्य बिजली कर्मियों को मौके पर भेजा।

महाकुम्भ में 15773 लोग बीमार, 268 मरीज भर्ती

महाकुम्भ नगर। मौसम में उतार–चढ़ाव के चलते गुरुवार को केंद्रीय अस्पताल व मेला क्षेत्र के अन्य अस्पतालों में मरीजों की कतार लगी रही। ओपीडी में 15773 मरीज पहुंचे जिनका इलाज किया गया। साथ ही 268 मरीजों को भर्ती किया गया। केंद्रीय अस्पताल के आईसीयू में 10 मरीजों को भर्ती किया गया। कैंट अस्पताल की ओर से संचालित 10 बेड के आईसीयू में भर्ती गंभीर मरीजों का उपचार डॉघ सिद्धार्थ पांडेय के मार्गदर्शन में टीम ने किया। सेक्टर–20 में स्थित उप–केंद्रीय अस्पताल में एम्स रायबरेली की ओर से संचालित 23 मरीजों को भर्ती किया गया। डॉक्टरों के अनुसार भर्ती मरीजों में सर्दी, जुकाम, बुखार, उल्टी–दस्त, सीने में दर्द, पैर में चोट–मोच व हार्ट अटैक के रहे। उपचार के बाद मरीजों की स्थिति सामान्य है।

बेसहारा को आश्रय दे रहा आधारशिला

महाकुम्भ नगर। नैनी स्थित आधार शिला वृद्धाश्रम की से श्रद्धालुओं की मदद के लिए छिवकी रेलवे स्टेशन से मेला क्षेत्र तक लाने के लिए निरूशुल्क दो पहिया वाहन की व्यवस्था की गयी है। इसका लाभ कोई भी श्रद्धालु उठा सकता है। वृद्धाश्रम प्रमुख शशांक गोस्वामी ने बताया कि मेला क्षेत्र में यदि कोई व्यक्ति अपनों से बिछुड़ गया हो तो यहा बेसहारा हो उसके लिए संस्थान के वृद्धाश्रम में भोजन–आवास की निरूशुल्क व्यवस्था की गयी है। मेले में अपनों से बिछुड़े हुए चार लोग इस समय आधारशिला वृद्धाश्रम में रुके हुए हैं।

जीवन की दुश्वारियों भी तपस्या से डिगी नहीं सकीं

महाकुम्भ नगर। संगम की रेती पर एक बार कल्पवास का संकल्प लेने के बाद उसे हर परिस्थिति में पूरा करना होता है। इसीलिए अपनी आस्था, अवस्था व व्यवस्था के अनुसार कल्पवासी निर्धारित अवधि तक के लिए संकल्प लेते हैं। संकल्प बाधित न हो इसके लिए हर संभव प्रयास भी करते हैं। चित्रकूट की रहने वाली प्रेमावती ने पति राधेश्याम के साथ पौष पूर्णिमा को सेक्टर पांच में कल्पवास शुरू किया था। पांच ही दिन बीता था कि ढाई साल का पौत्र छत से गिर गया उसके सिर में सरिया धंस गयी। उसका एसआरएन में ऑपरेशन होना था। बच्चे को देखने के लिए सेक्टर पांच से थोड़ी दूर पैदल चलीं कि एक चार पहिया वाहन ने ठोकर मार दी। जिससे उनका दाहिना पैर टूट गया। एक साथ दो मुशीबत होने के बावजूद प्रेमावती की आस्था नहीं डिगी। उन्होंने पैर में प्लास्टर बंधवाया और कल्पवास को जारी रखा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की प्रदर्शनी पौराणिकता और आधुनिकता का अद्भूत संयोजन

महाकुंभ नगर। आकाशवाणी की महानिदेशक श्रीमती प्रज्ञा पालीवाल गौड़ ने शुक्रवार को महाकुंभ मेले में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से 'जनभागीदारी से जन कल्याण' और भारत सरकार के विगत 10 वर्षों में उपलब्धियों, कार्यक्रमों, नीतियों एवं योजनाओं पर लगायी गयी मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का अवलोकन किया। महानिदेशक ने इस डिजिटल चित्र प्रदर्शनी की प्रशंसा की और इसे काफी दिलचस्प बताया। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल प्रदर्शनी के माध्यम से केंद्र सरकार की लाभकारी योजनाओं के बारे में बताया गया है। इस प्रदर्शनी में महाकुंभ व इसके पौराणिक महत्व को भी अत्यंत रोचक अंदाज में चित्रण किया गया है। ऐसे में इस प्रदर्शनी में आने वाले श्रद्धालुओं को पौराणिकता व आधुनिकता का अदभुत संयोजन लोगों को देखने को मिल रहा है। श्रीमती गौड़ ने इस दौरान पीएम इंटर्नशिप, प्रकाशन विभाग और एनडीआरएफ के स्टाल का भी भ्रमण किया। इससे पूर्व आकाशवाणी की महानिदेशक प्रज्ञा पालीवाल गौड़ सेक्टर चार स्थित आकाशवाणी और दूरदर्शन के अस्थायी केंद्र का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने आकाशवाणी और दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले न्यूज और कार्यक्रमों के बारे में जाना और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी की ओर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से श्रोता महाकुंभ से जुड़ी पल–पल की खबरों से परिचित हो रहे हैं। आकाशवाणी की विशेष एफएम चौनल कुंभवाणी (एफएम 103.5 मेगाहर्ट्ज) के माध्यम से लोगों तक महाकुंभ से जुड़ी सूचनाएं पहुंचाई जा रही है। इस कार्यक्रम को लेकर श्रोताओं में काफी उत्साह देखा गया। महानिदेशक ने कहा कि कुंभवाणी चौनल महाकुंभ से जुड़ी हर गतिविधि पर आधारित कई कार्यक्रम भी प्रसारित कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमृत स्नान के दौरान कुंभवाणी की ओर से विशेष कमेंट्री भी प्रसारित की गई। उन्होंने कहा कि एफएम रेडियो के प्रसारण को महाकुंभ के पब्लिक एड्रेस से जोड़ा गया है जिसका लाभ श्रद्धालुओ को मिल रहा है। गौड़ ने महाकुंभ मेला क्षेत्र स्थित मीडिया सेंटर का भी भ्रमण किया और यहां पत्रकारों को दी रही सुविधाओं को जायजा लिया।

निवर्तमान बैच को विदाई दी

प्रयागराज। गर्ल्स हाई स्कूल और कॉलेज ने 7 फरवरी को सत्र 2024 – 2025 के निवर्तमान बैच को विदाई दी। कक्षा ग्यारहवीं की छात्राओं ने अपने वरिष्ठों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया, जो जल्द ही अपने सपनों को जीने के लिए नए रास्तों पर चलेंगे। यह निवर्तमान छात्राओं के लिए अपने अल्मा मेटर में बिताए गए खुशी के पलों को याद करने का एक अवसर था। श्अरेबियन नाइट्सश थीम को ध्यान में रखते हुए ऑडिटोरियम को फूलों और सजावट से सजाया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वशक्तिमान की उपस्थिति का आह्वान करने के लिए प्रार्थना के साथ हुई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 11वीं कक्षा के छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम था, जिसमें शानदार नृत्य प्रदर्शन, मधुर गीत, पैर थिरकाने वाले गीत, मनोरंजक खेल और साथ ही निवर्तमान कक्षा की लंबी और समृद्ध यात्रा को दर्शाने वाला एक वीडियो शामिल था, जिसने कार्यक्रम को सभी के लिए यादगार बना दिया। प्रिंसिपल रेव डॉ. वी. यूसेबियस ने वरिष्ठों की जिम्मेदारियों को सहजता से निभाने और जूनियर्स के लिए एक उल्लेखनीय उदाहरण स्थापित करने के लिए सराहना की। उन्होंने उनसे इस कार्यक्रम को अपने अल्मा मेटर में बिताए वर्षों के उत्सव के रूप में देखने का आग्रह किया और उन्हें अपने परिवार और समाज की अपेक्षाओं के साथ–साथ अपनी अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने के बारे में उपयोगी सलाह दी।

फिल्म अभिनेता राजकुमार राव ने संगम में डुबकी लगाई, बोले- अद्भुत अनुभव

प्रयागराज। फिल्म अभिनेता राजकुमार राव शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाई। इसके बाद अरैल स्थित परमार्थ निकेतन आश्रम में पहुंचकर स्वामी चिदानंद सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त किया। राजकुमार राव ने कहा कि यूपी सरकार ने बहुत अच्छी व्यवस्था की है। इतने बड़े पैमाने पर व्यवस्था करना एक सराहनीय कार्य है। उन्होंने महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं और यहां पर व्यवस्था में लगे प्रशासनिक अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। अभिनेता ने कहा कि हम 12 साल पहले भी यहां आए थे। वो अनुभव जीवन बदल देने वाला था। राजकुमार राव ने कहा कि मुंबई से सीधे हम स्वामी चिदानंद सरस्वती के आश्रम में पहुंचे। उनका आशीर्वाद लिया। स्वामी जी ने ईको फ्रेंडली कैंप लगाया है जो काफी अच्छा है। महाकुंभ जो कि गिनीज बुक में भी दर्ज है। यहां पर श्रद्धालु पूरी भक्ति से आते हैं। लोग काफी पैदल चलकर यहां पर पहुंचते हैं, लेकिन संगम में डुबकी लगाने के बाद उनकी सारी थकान दूर हो जाती है और जो शांति मिलती है उससे बड़ा सुख और कुछ नहीं है।

हाईवे पर सड़क किनारे खड़े वाहन से टकराई कार, एक महिला समेत तीन लोगों की मौत

प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र के हंडिया कोखराज हाईवे पर सड़क के किनारे खड़े अज्ञात वाहन कार टकरा गई। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई, इसमें एक महिला भी शामिल है। हादसा हाईवे के ओवरब्रिज पर हुआ। सोरांव थाना क्षेत्र के हंडिया कोखराज हाईवे पर सड़क के किनारे खड़े अज्ञात वाहन कार टकरा गई। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई, इसमें एक महिला भी शामिल है। हादसा हाईवे के ओवरब्रिज पर हुआ। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। घटना के बाद काफी देर तक जाम की स्थित बनी रही। पुलिस क्रेन से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर आवागमन शुरू कराया।

शुक्रवार दोपहर सोरांव के भावापुर गांव के निकट से गुजरे हंडिया–कोखराज हाईवे ओवर ब्रिज पर खड़े अज्ञात वाहन के पीछे से कार टकरा गई। कार कानपुर की तरफ से वाराणसी की ओर जा रही थी। हादसा इतना जबर्दस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसका आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार दो पुरुष और एक महिला की मौत हो गई।

घटना के बाद काफी देर तक हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार में फंसे तीनों शवों को क्रेन के मदद से बाहर निकलवाया।शवों को पोस्टमार्टम हाउस के लिए भेज दिया गया है। कार में मिले मोबाइल तथा कागजात के आधार पर कार स्वामी तथा मृतकों के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई।

इंजीनियरिंग के छात्र ने प्राइवेट पार्ट में फंसाई बोतल, डॉक्टरों ने निकाली

प्रयागराज। गाजीपुर से महाकुंभ देखने आए इंजीनियरिंग के एक छात्र ने अपने प्राइवेट पार्ट में प्लास्टिक की बोतल फंसा ली। तनाव बढ़ने पर वह दर्द के मारे चीखने–चिल्लाने लगा। उसे एसआरएन हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने बोतल काटकर निकाली। डॉक्टरों के मुताबिक, अश्लील सामग्री देखने की वजह से यह घटना हुई है। महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के लिए 20 साल का यह युवक 27 जनवरी को घर से अकेले ही यहां आया था। वह मेला क्षेत्र में ही एक जगह ठहरा था। इसी दौरान शौचालय में उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। असहनीय दर्द होने पर उसे मेडिकल कॉलेज के एसआरएन हॉस्पिटल लाया गया। मेडिकल कॉलेज के प्रवक्ता और सर्जन डॉ. संतोष सिंह के मुताबिक, अस्पताल लाए गए युवक ने प्राइवेट पार्ट में प्लास्टिक की एक लीटर वाली बोतल फंसी हुई थी। उसने खुद कोशिश करके बोतल का काफी हिस्सा काट भी लिया था, लेकिन कुछ हिस्सा अटका हुआ था। उसे हड्डी काटने वाले पतले तार से काटा गया। दो दिन तक ट्रामा सेंटर में भर्ती रखकर निगरानी की गई। नुकसान की जांच के लिए कलर डॉप्लर (एक तरह का अल्ट्रासाउंड) भी कराया गया। सब कुछ सामान्य होने पर उसकी काउंसलिंग की गई। युवक ने स्वीकार किया कि वह घटना से पहले पॉर्न वीडियो देख रहा था। उसे समझाया गया है।

पी के की पाठशाला में बच्चों ने जाना, कैसे स्वच्छता को है अपनाना

शहर के 120 स्कूलों में चलेगी पी के की स्वच्छता पाठशाला'

'प्रयागराज। नगर निगम की ओर से शुक्रवार को स्वच्छ सारथी क्लब की सहभागिता में सरस्वती शिशु विद्या निकेतन कटघर जोन 02 में पी के की स्वच्छता पाठशाला का आयोजन किया गया। जोनल अधिकारी श्याम कुमार जी के नेतृत्व में आयोजित पाठशाला में छात्र छात्राओं को बड़े हो मनोरंजक ढंग से नगर निगम प्रयागराज, स्वच्छ भारत मिशन नगरीय नगर विकास विभाग द्वारा किए जा रहे स्वच्छता कार्यों के विषय में बताया गया। इस दौरान कूड़े के संग्रहण पृथक्करण और निस्तारण के साथ कचरे के रीयूज के बारे में भी बताया गया। पाठशाला में छात्र छात्राओं ने नैनी स्थित बायो सीएनजी प्लांट, बसवार प्रोसेसिंग प्लांट, 4 एमआरएफ सेंटर की कार्यप्रणाली समझी। इस दौरान जोनल अधिकारी श्याम कुमार जी ने छात्र छात्राओं को सभी प्लांट का भ्रमण करने की कही और स्वच्छ सर्वेक्षण में अपने शहर को स्वच्छता में 01 लाने के लिए अपील की । पी के की पाठशाला शहर के 120 स्कूलों में चलाई जाएगी। इस दौरान जेडएसओ रामबाबू जी , एसएफआई पूजा सिंह जी के साथ साथ श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस की टीम ने छात्र छात्राओं को डेमो के माध्यम से कूड़ा संग्रहण और पृथक्करण के प्रति जागरूक किया। पाठशाला के अंत में श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस के कृष्ण कुमार मौर्य ने सभी को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या :- 30-विद्युत/सा0/प्रयागराज/24-25 दिनांक : - 03.02.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक - 28.02.2025 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

निविदा सूचना संख्या : ELG-58-2425	काम की लागत (रु में) : 25001207.65
कार्य का नाम : प्रयागराज मंडल के अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत "सोनभद्र, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद और मैनपुरी स्टेशनों पर 12 मीटर चौड़े एफओबी के प्रावधान" के संबंध में विद्युत कार्य। "प्रयागराज मंडल के अंतर्गत अमृत भारत योजना के अंतर्गत "कानपुर अनवरगंज सीपीए-कानपुर अनवरगंज स्टेशन पर 12 मीटर चौड़े एफओबी के प्रावधान" के संबंध में विद्युत कार्य।	
बिड सिक्योरिटी (रु में) : 275000.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 माह
निविदा सूचना संख्या : ELG-59-2425	काम की लागत (रु में) : 8937854.12
कार्य का नाम : "पीआरवाईजे और सीएनबी में एआरटी की स्टेबलिंग सुविधा के साथ ब्रेकडाउन क्रेन शेड के संबंध में विद्युत कार्य। कंवौसी रेलवे स्टेशन पर ओएमआरएस हट की विद्युत आपूर्ति का प्रावधान।"	
बिड सिक्योरिटी (रु में) : 178800.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 माह
निविदा सूचना संख्या : ELG-60-2425	काम की लागत (रु में) : 3273830.23
कार्य का नाम : एमकेपी स्टेशन पर "मानिकपुर: 8 नग टाइप-I स्टाफ क्वार्टरों को 6 नग टाइप III और 2 नग टाइप IV क्वार्टरों से बदलने के संबंध में विद्युत कार्य। प्रयागराज मंडल के बीआरएन-ईटीएच सेक्शन में 02 गेट संख्या 19सी (एसडब्ल्यूडब्ल्यू-जेएससी), 33सी (जेएससी-केडब्ल्यूडब्ल्यू) की इंटरलॉकिंग के संबंध में विद्युत कार्य। सूबेदारगंज में स्वचालित कोच वॉशिंग प्लांट के डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग के संबंध में विद्युत कार्य।	
बिड सिक्योरिटी (रु में) : 65500.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 माह
निविदा खुलने की तिथि : 28.02.2025, समय - 15:00 बजे	

नोट :- 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 257/25 (C)

CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062